हज़रत मौलाना मुहम्मद मुस्तफ़ा मिफ़्ताही (रह0)

जन्मः

मौलाना मुहम्मद मुस्तफ़ा मिफ़्ताही बिन हारून रशीद बिन वली मुहम्मद बिन क़ादिर बख़्श बिन सालार बख़्श की पैदाइश देउरवा पश्चमी चम्पारण बिहार में 22 नवम्बर सन् 1947 ई0 को हुई

प्राथमिक शिक्षाः

मौलाना मुहम्मद मुस्तफ़ा साहब अपने भाइयों में दूसरे नम्बर पर थे, प्राथमिक शिक्षा अपने गांव देउरवा के प्राइमरी स्कूल में प्राप्त की। जबकि हिफ़्ज़े कुरआन मदरसा अरबिया दारुल उलूम बसवरिया देवराज से की, और कुरआन हिफ़्ज़ का दूसरा दौर जामिया इस्लामिया कुरआनिया सेमरा से पूरा किया और फिर अरबी के ज्ञान की शिक्षा के लिए प्रसिद्ध शहर मऊ का सफर किया।

उच्च शिक्षाः

आपने उच्च शिक्षा जामिया मिफ़्ताहुल उलूम मऊ से पूरी की और सन् 1947 ई0 में हदीस शरीफ़ की शिक्षा प्राप्त कर ली, जामिया मिफ़्ताहुल उलूम की शिक्षा के दौरान ही आपने प्राइवेट परीक्षा से मदरसा एजूकेशनल बोर्ड पटना से आलमियत तक की परीक्षा दी।

जामिया मिफ़्ताहुल उलूम मऊ में क़याम के समय में हदीस के विद्वान हज़रत मौलाना हबीबुर्रहमान आज़मी रह0 के विशेष छात्रों में रहे। इन से बहुत लाभ उठाया और उनका भरपूर विश्वास प्राप्त किया।

शैक्षणीक क्रियाकलापः

उच्च शिक्षा की प्राप्ति के बाद मदरसा अरबिया साठी चम्पारण, इशाअतुल उलूम जोगिया, जामिया रहमानी मुंगेर, इमारते शरीया बिहार उडीसा, कैमूर राजस्थान और दारुल उलूम हैदराबाद में अध्यापन की सेवाए प्रदान की। हज़रत मौलाना रिज़वान क़ासमी ज्ञान के शिक्षमित्र प्रमाणित हुए हैं जब मौलाना शैक्षाण्कि सेवा का पता चला, तो दारुल उलूम सबीलुस्सलाम में धर्मशास्त्र शैखुल हदीस के पद

के लिए निमन्त्रण दिया और जीवन के अन्तिम समय तक यहीं रहे।

पद व सम्मानः

- शैखुल हदीस दारुल उलूम सबीलुस्सलाम हैदराबाद
- मुफ़्ती दारुल इफ़्ता
- इस्लामिक फ़िक़्ह एकेडमी के सदस्य

लेख एवं रचनाएंः

आपने अपने जीवन काल में सैकड़ों फ़तावा और दर्जनों लेख लिखे, इसके अतिरिक्त कुछ किताबों की रचनाएं की जो निम्नलिखित हैंः

1– इस्लाहाते उसूले हदीस

2– दावत तब्लीग़

3– तालीमुल ईमान

4– तीन जिल्दों में कुरआने करीम का हिन्दी अनुवाद

देहान्तः

मामूली सी बीमारी और कुछ ही दिन बीमार रहने के बाद 16 ज़िक़ादा 1430 हिजरी बामुताबिक़ 15 फरवरी सन् 2009 ई0 की रात को आपका देहान्त हो गया।

☆☆☆